शिको और उसके आठ दुष्ट भाई

एक जापानी लोककथा



शिको और उसके आठ दुष्ट भाई

एक जापानी लोककथा



एक ज़माने में जापान में आठ दुष्ट भाई रहते थे. उनका एक नौवां छोटा भाई भी था. उसका नाम था शिको – जिसका मतलब होता है बदसूरत. आठों भाई इस बात पर कभी सहमत नहीं हो पाए कि उनमें से कौन सबसे अधिक सुन्दर था. पर इस बात पर वो एकमत थे कि उनमें से शिको सबसे बदसूरत था.

उनमें से कौन सबसे सुन्दर है? इस प्रश्न के उत्तर के लिए कि एक दिन आठों भाई, राजकुमारी याकामी के घर की ओर चले. राजकुमारी जिसे पसंद करेगी वही सबसे सुन्दर होगा. उन्होंने शिको को भी अपने साथ आने दिया – मगर एक कुली जैसे – जो उनका सामान उठाकर चले.

पूरी यात्रा में आठों भाईयों ने अपनी पूरी दुष्टता दिखाई. दूसरी ओर शिको ने हमेशा दूसरों की सहायता की. जब वे सब राजकुमारी से मिले तो अंत में अच्छे व्यवहार की जीत हुई. आगे क्या हुआ? यह जानने के लिए कहानी को ज़रूर पढ़ें.



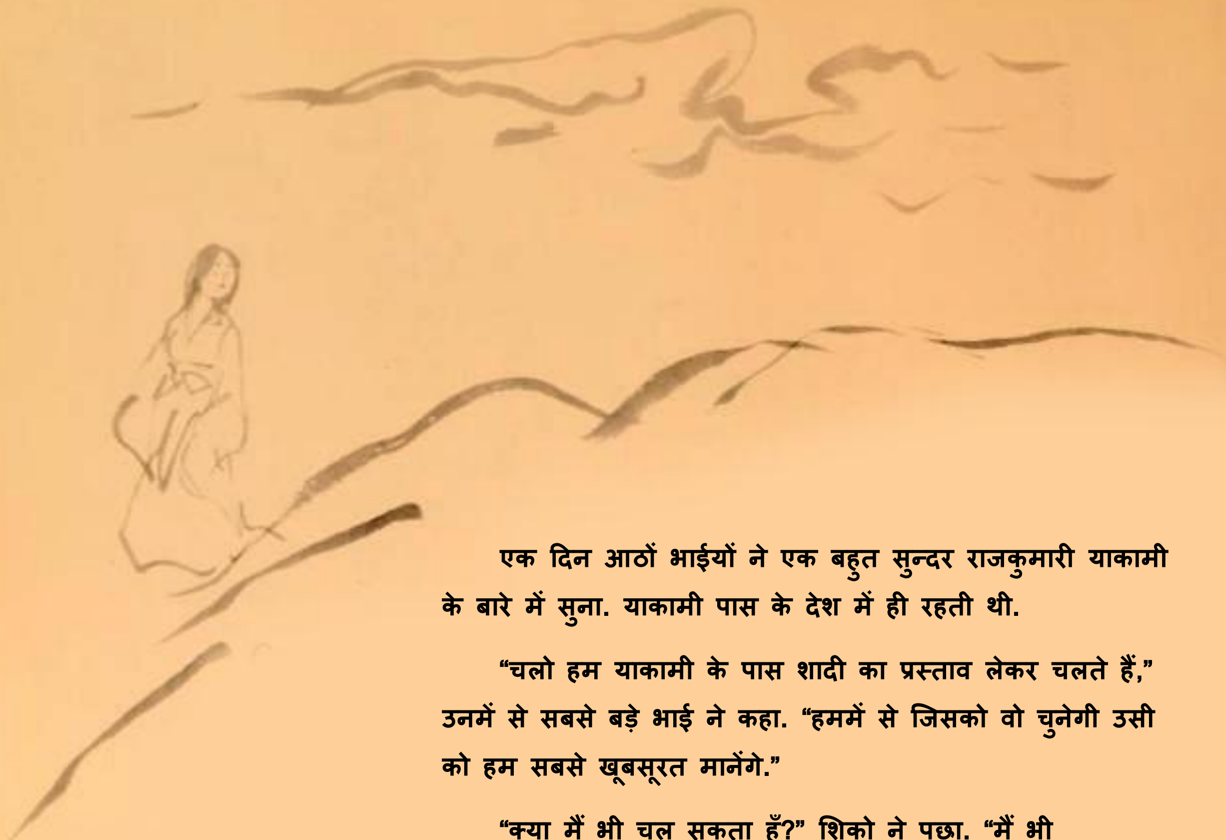
एक ज़माने में जापान में आठ दुष्ट भाई रहते थे. उनका एक नौवां छोटा भाई भी था. उसका नाम था शिको – जिसका मतलब होता है बदसूरत.

वे आठों भाई न केवल दुष्ट थे, उन्हें अपनी खूबसूरती पर बहुत घमंड भी था. उनमें से कौन सबसे खूबसूरत था इस पर उनमें कोई सहमति नहीं थी. पर आठों भाई एक बात पर सहमत थे – कि शिको उनमें से सबसे बदसूरत था.

चाहें शिको देखने में अच्छा न हो, पर वो बहुत दयालु प्रकृति का था और अपनी माँ का सबसे लाडला था. इससे आठों भाई, शिको से जलते थे और उसपर दिनभर अपना गुस्सा उतारते थे. वो शिको को खूब चिढ़ाते और परेशान करते थे. पूरे दिन वो उसे बदसूरत-बदसूरत कह कर उसका मज़ाक उड़ाते थे.

इसलिए जब शिको बड़ा हुआ तो वो खुद को वाकई में जापान का सबसे बदसूरत आदमी मानने लगा.





एक दिन आठों भाईयों ने एक बहुत सुन्दर राजकुमारी याकामी के बारे में सुना. याकामी पास के देश में ही रहती थी.

“चलो हम याकामी के पास शादी का प्रस्ताव लेकर चलते हैं,” उनमें से सबसे बड़े भाई ने कहा. “हममें से जिसको वो चुनेगी उसी को हम सबसे खूबसूरत मानेंगे.”

“क्या मैं भी चल सकता हूँ?” शिको ने पूछा. “मैं भी राजकुमारी से शादी करना चाहूँगा.” यह सुनकर आठों भाई ठहाका मारकर हंसने लगे.



फिर उन्होंने कहा, “देखो हमें सामान उठाने के लिए कोई नौकर तो चाहिए ही होगा,” यह कहकर वे फिर ज़ोर से हँसे.

अगले दिन सुबह आठों भाइयों ने बढ़िया, महंगे कपड़े पहने और वो राजकुमारी के महल की तरफ चले. शिको भी उनके पीछे-पीछे सामान उठाए चला. शिको बिल्कुल साधारण कपड़े पहने था और उसके सिर पर एक बड़ा बोरा था जिसे आठों भाईयों ने राजकुमारी के लिए तोहफों से भरा था.



उस भारी बोझ को उठाना शिको के लिए काफी मुश्किल काम था. इसलिए वो अपने भाईयों से पीछे छूट गया. भाई उसकी निगाह से ओंझल हो गए. पर जैसे ही शिको समुद्र के किनारे की पहाड़ी पर पहुंचा उसे एक अजीब नज़ारा दिखाई दिया.

एक खरगोश दर्द से तड़फ रहा था. उसका फर का बना कोट कहीं खो गया था.



“अरे दोस्त!” शिको ने अपना बोरा ज़मीन पर रखते हुए कहा. “तुम्हारा फर का कोट कैसे खोया?”

फिर खरगोश ने रोना बंद किया और उसे अपनी पूरी राम कहानी सुनाई.

“कभी मैं उस टापू पर रहता था,” खरगोश ने समुद्र में एक टापू की तरफ ऊँगली से इशारा करके बताया. “तब मेरा एक ही सपना था, कि मैं पानी को पार करके मेनलैंड पर जाकर रहूँ. पर मुझे न तैरना आता था और न ही उड़ना. फिर भला मैं कैसे समुद्र पार करता?”



“एक दिन मैं इसी तरह समुद्र पार करने का सपना देख रहा था. तभी एक मगरमच्छ मेरी तरफ आया. तुरंत मेरे दिमाग में एक योजना आई.”

“मगरमच्छ भाई,” मैंने कहा, “मेरे खरगोश परिवार में बहुत सारे सदस्य हैं. खरगोश परिवार, मगरमच्छ परिवार से कहीं ज्यादा बड़ा है.”

“बिल्कुल गलत,” मगरमच्छ ने कहा. “मेरे परिवार में इतने सदस्य हैं कि तुम उन्हें गिन भी नहीं पाओगे!”

“अच्छा तुम मुझे उसका सबूत दो! उनसे कहो कि वो समुद्र में आकर एक लाइन में लेटें. फिर मैं उनकी पीठ पर कूदूँगा और उन्हें गिनूंगा.”



“ठीक है,” मगरमच्छ ने मुझसे कहा. फिर मगरमच्छ ने तीन बार अपने जबड़ों को बंद करा और खोला! उसके बाद छोटे, बड़े और माध्यम आकर के सभी मगरमच्छ उसके बुलाने पर आए.

“मगरमच्छ ने अपने बड़े परिवार को टापू से मेनलैंड तक पानी में एक लाइन में खड़ा किया. फिर मैंने अपनी तैयारी की.”

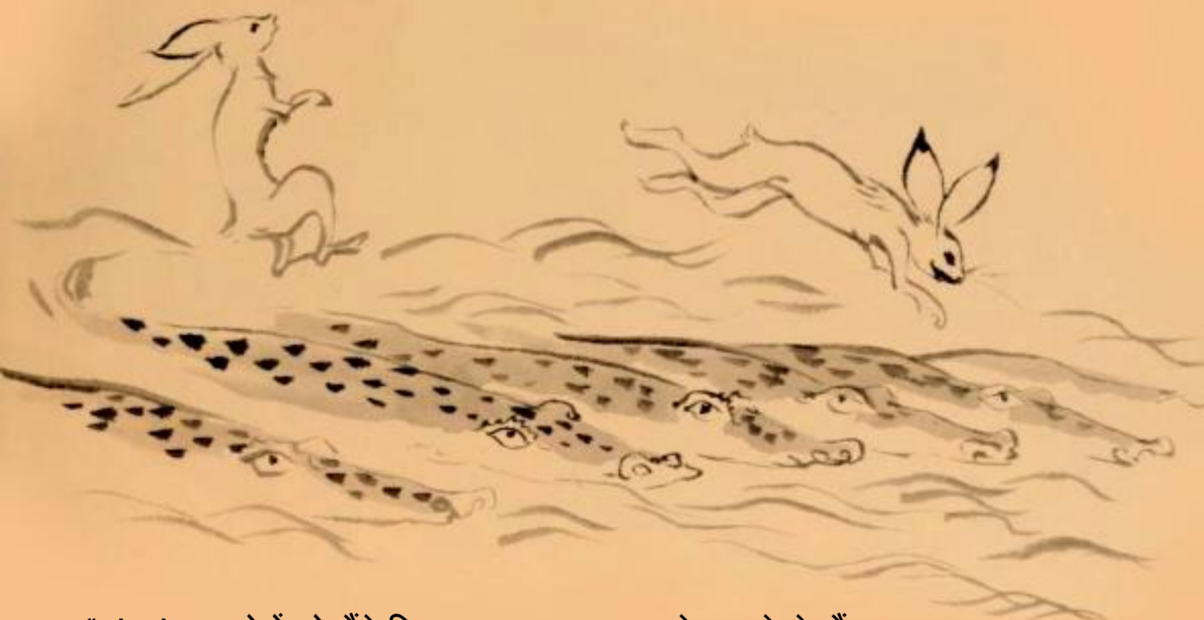


“एक!” मैंने गिनना शुरू किया. फिर मैं एक मगरमच्छ से दूसरे पर कूदते हुए उन्हें गिनता रहा.

“ज़ोर से गिनो! स्पष्ट आवाज़ में गिनो!” जब मैं दूर पहुंचा तो मगरमच्छ चिल्लाया. “क्या मेरा परिवार तुम्हारे परिवार से बड़ा है? मुझे अब तुम्हारी आवाज़ सुनाई ही नहीं दे रही है!”

“मुझे अब दूसरी तरफ – मेनलैंड की ज़मीन दिखाई दे रही थी. अब मेरी रूचि मगरमच्छ गिनने में नहीं रही थी. बस एक-दो छलांगों में मेरे पांव ज़मीन पर होते!”

“वहां मैंने अपने जीवन की एक बड़ी गलती की.”

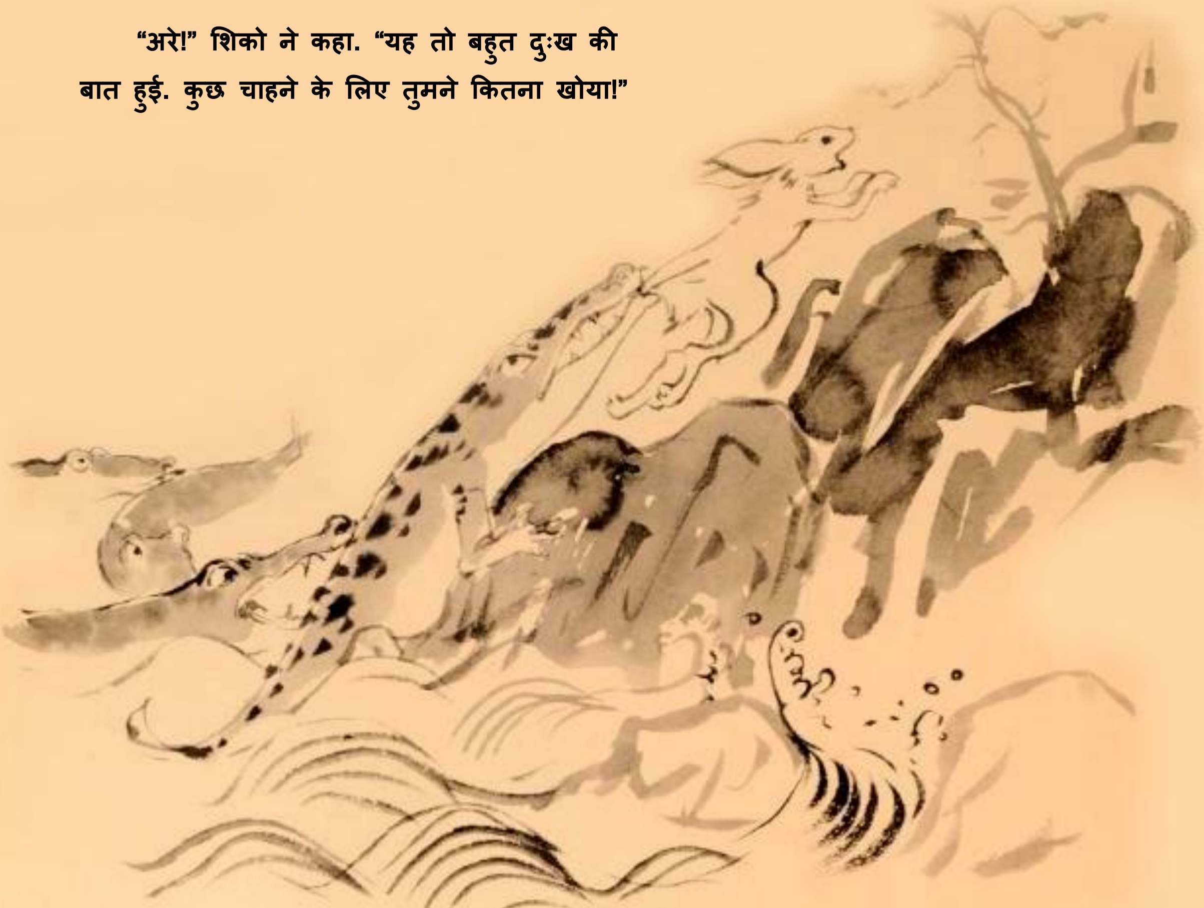


“हा! हा! तुम लोगों को मैंने कितना पागल बनाया. तुमने टापू से मेनलैंड तक मेरे लिए एक अच्छा पुल तैयार किया.”

“इससे पहले मैं अपना अंतिम शब्द कहता सबसे आखरी मगरमच्छ ने अपने जबड़ों से मेरी खाल पकड़ ली!”

“फिर मैंने अपना कोट वहीँ उतारा और दुम दबाकर नंगा वहां से भागा.”

"अरे!" शिको ने कहा. "यह तो बहुत दुःख की बात हुई. कुछ चाहने के लिए तुमने कितना खोया!"





“काश मैंने अपनी जुबान बंद रखी होती,” खरगोश ने कहा. “मेरी हालत पहले से कहीं बेहतर थी. फिर मैंने यहाँ से गुज़रते आठ भाईयों की बात मानी. वो इस रास्ते से कुछ समय पहले ही गुज़रे. उन्होंने मेरी कहानी सुनी और फिर मेरी मदद के लिए अपनी सलाह दी.”



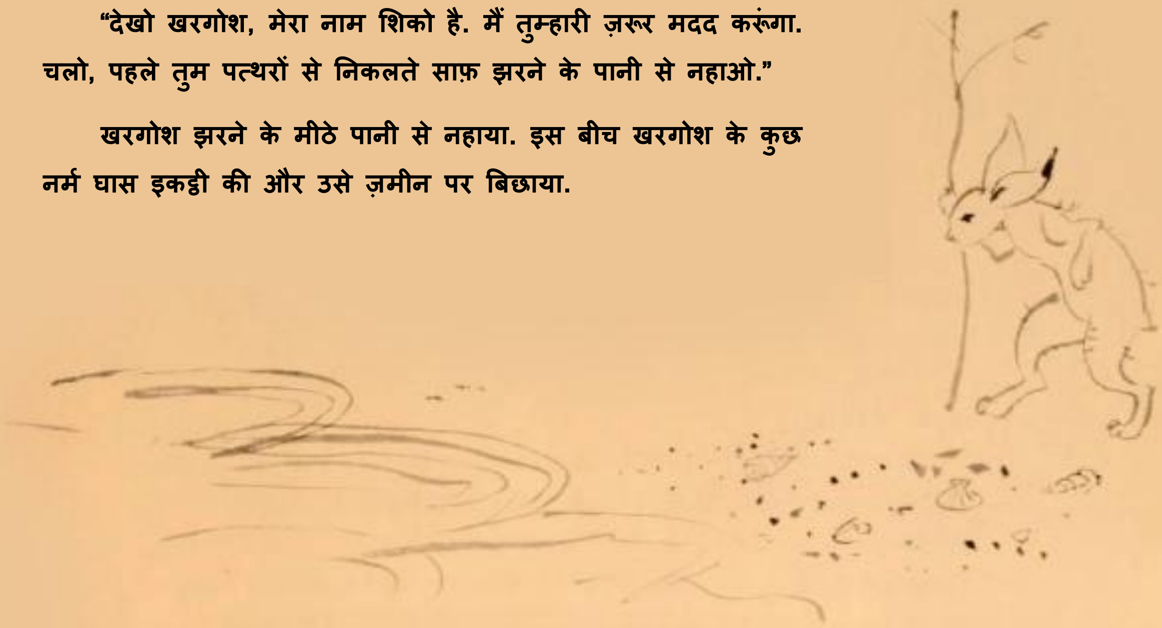
"पहले उन्होंने आपस में सलाह-मशविरा किया.
पहले तुम समुद्र के पानी में जाकर नहाओ," उन्होंने कहा.
"उसके बाद पहाड़ी की उस ओर जाओ जहाँ तेज़ हवा चल रही हो वहां जाकर खुदको सुखाओ. उसके बाद तुम भले-चंगे हो जाओगे. मैंने उनका शुक्रिया अदा किया और फिर वे अपने रास्ते चले गए."

"अरे!" शिको ने कहा. "उन्होंने तुम्हें बहुत गलत सलाह दी. वे आठों आदमी मेरे बड़े भाई हैं. वे हमेशा मेरे साथ दुष्ट व्यवहार करते हैं. उन्हें पता है कि नमकीन पानी जब सूखेगा तो उससे ज़ख्मों में और ज्यादा दर्द होगा. तुम्हारी हालत अब पहले से भी खराब है."

"तुम बिल्कुल ठीक कह रहे हो," खरगोश ने कहा.

"देखो खरगोश, मेरा नाम शिको है. मैं तुम्हारी ज़रूर मदद करूंगा. चलो, पहले तुम पत्थरों से निकलते साफ़ झरने के पानी से नहाओ."

खरगोश झरने के मीठे पानी से नहाया. इस बीच खरगोश के कुछ नर्म घास इकट्ठी की और उसे ज़मीन पर बिछाया.





"अब तुम इस घास पर तब तक लोटो," शिको ने कहा, "जब तक तुम्हारी चमड़ी सूख न जाए."

खरगोश घास पर लोटा. धीरे-धीरे उसकी चमड़ी सूखी और फिर उसका फर दुबारा उगने लगा. कुछ देर बाद उसके शरीर पर नया फर दुबारा उग आया.



“तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया शिको!” खरगोश ने कहा. “तुम अपने सभी भाईयों में सबसे छोटे भले ही हो, पर तुम उन सबसे आगे जाओगे.”

फिर शिको ने अपने अपने शरीर का कुछ नया फर, शिको ने बालों में बुन दिया.

“उसे वहीँ रहने दो,” खरगोश ने कहा. “अच्छे लोगों को वो बिल्कुल सोने जैसा दिखेगा. दुष्ट लोगों को वो दिखेगा ही नहीं. तुम्हें शायद कुछ मुश्किलें ज़रूर झेलनी पड़ें पर अंत में तुम सफल होगे. मैं तुम्हारा एहसान कभी नहीं भूलूंगा!”

शिको ने खरगोश का शुक्रिया अदा किया. फिर उसने अपने सिर पर बोरा रखा और अपने भाईयों के पीछे-पीछे चला.



इतनी देर में आठों भाई, राजकुमारी याकामी के घर पर पहुंचे. वो राजकुमारी को नहीं बताना चाहते थे कि उनका भाई इतना कुरूप है. इसलिए उन्होंने कहा कि, "जल्द ही हमारा नौकर आपके लिए कुछ तोहफे लेकर आएगा."

राजकुमारी उन आठों दुष्ट भाईयों और उनके महंगे उपहारों के बहकावे में नहीं आई. एक-के-बाद-एक करके उसने उन आठों को ठुकरा दिया.



जब राजकुमारी ने सभी को ठुकरा दिया तो आठों भाई बहुत गुस्सा हुए. अब उनमें से कोई भी अपने आपको सबसे खूबसूरत नहीं कह सकता था. तभी उनका सबसे छोटा भाई शिको राजकुमारी के सामने आकर खड़ा हुआ!"

जैसे ही वो नमस्कार करने के लिए झुका वैसे ही राजकुमारी याकामी ने शिको ने बालों में चमकती सोने की लड़ को देखा.

"अरे!" राजकुमारी ने आंह भरी और शिको को अपने पास खींचा. "तुम कितने खूबसूरत हो!"

शिको भी मुस्कुराया. वो किसी अहंकार से नहीं मुस्कुराया. पर अब वो खुद को पूरे जापान का सबसे बदसूरत आदमी कभी नहीं समझेगा.

